

their planned stay because they were not satisfied with the treatment received by them from the West German Government?

Shri Manubhai Shah: As a matter of fact, I have gone through the whole report of the delegation. They say that the arrangements were highly satisfactory. Their only complaint was that when they travelled from here to Bonn, some people were taken in first class and some in the tourist class. But, then in a plane you cannot take all the people in one class. That is the only aspect with which they were dissatisfied. Otherwise, there was a general sense of high satisfaction about the arrangements for the exhibition and their stay there.

Small/Cheap Tractors

+

- *288. { **Shri Sidheshwar Prasad:**
Shri P. C. Borooah:
Shri P. R. Chakraverti:
Dr. L. M. Singhvi:
Shri Bishwanath Roy:

Will the Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have received schemes from the private parties for the manufacture of small/cheap tractors; and

(b) if so, the salient features thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri P. C. Sethi): (a) Yes, Sir.

(b) 5 schemes for the manufacture of small tractors and power tillers of approved designs have already been licensed/approved. In addition, 14 schemes for the manufacture of small tractors and power tillers are, at present, under consideration. These schemes involve manufacture of four wheeled tractors of the riding type or

2 wheeled tractors and power tillers of the walking type, in various horsepower ranges below 12 H.P. Collaboration with Japanese, American, U.K. or West German manufacturers is proposed.

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या मैं जान सकता हूँ कि जो यह पांच कारखाने बनने वाले हैं वे कितने कितने राज्यों में बनेंगे और उनमें उत्पादन कब से शुरू होगा ।

श्री प्र० चं० सेठी : इसमें ईस्ट एशियाटिक हैदराबाद में, दूसरा कृष्ण एंजिन्स भी हैदराबाद में, तीसरा मैसूर में, चौथा उड़ीसा में और पांचवां उत्तर प्रदेश में होगा ।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या इस बात का अनुमान लगाया गया है कि जो छोटे और सस्ते ट्रैक्टर बनने वाले हैं उनकी अनुमानित कीमत क्या होगी ।

श्री प्र० चं० सेठी : उनकी कीमत तो जब वे उत्पादन शुरू करेंगे तब तय होगी ।

Shri P. C. Borooah: May I know whether there is a scheme for bringing down the prices of these popular tractors; if so, what is the cost of production now and how far it is going to be brought down?

The Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri C. Subramaniam): Generally we want the prices to be below Rs. 3,000/- per tractor of this range; but the prices can be fixed only when they go into production and are produced in sufficient numbers.

Shri Bishwanath Roy: In view of the great need for tractors for mechanised cultivation, may I know how far Government is prepared to aid these enterprises?

Shri C. Subramaniam: All possible aid required by way of foreign exchange is being given to these concerns. It is a question of getting into production.

श्री यशपाल सिंह : क्या यह सही है कि अब तक बाजार में जो छोटे ट्रैक्टर आये हैं हालैंड वगैरह से जिनका नाम मुरसस है या उनसे भी छोटे जो ट्रैक्टर आये हैं वह बहुत जल्दी खराब हो गये हैं और उनके पुर्जे भी नहीं मिल रहे हैं।

श्री प्र चं० सेठी : जो ट्रैक्टर बाहर से आये हैं उनके बारे में इस समय कोई मालूमात मेरे पास नहीं है। और यह जो ट्रैक्टर हैं यहीं बन रहे हैं।

डा० गोविन्द दास : अभी जो सरकारी कारखाने हैं जैसे कि जबलपुर की गन कैरेज फ़ैक्ट्री, जहां पर कि शक्तिवाहन नामक ट्रक बन रहे हैं, ऐसे कारखानों में इस प्रकार के ट्रैक्टर बनाने की कोई योजना है।

Shri C. Subramaniam: No, Sir. These are all small tractors. There, if at all, we can only produce the big tractors and not power tillers.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूँ कि बाहर से जो छोटे ट्रैक्टर मंगाये जाते हैं उनकी अपेक्षा इन ट्रैक्टरों का मूल्य कुछ अधिक होगा। यदि हां, तो कितने प्रतिशत तक का अनुमान लगाया गया है।

श्री प्र० चं० सेठी : जैसा अभी बतलाया गया है, कोशिश यह की जायेगी कि उनका मूल्य ३,००० रु० के अन्दर रहे। जब यह उत्पादन हम आरम्भ करेंगे तभी ठीक तौर पर उनकी कीमत तय की जा सकती है।

श्री क ना० तिवारी : यह जो छोटे ट्रैक्टर बनेंगे उनकी प्रति घंटे कितने एकड़ जोतने की कर्पसिटी होगी, और वह डीजल के होंगे या पावर के।

Shri C. Subramaniam: I am sorry, I cannot immediately give the information.

Shri D. N. Tiwary: In view of the fragmentation of holdings into small units, may I know whether these tractors will negotiate small areas?

Shri C. Subramaniam: Yes, Sir; these tractors are intended for that purpose. I am informed by my hon. colleague that the small tractors can do about 2 acres per day.

Shrimati Savitri Nigam: May I know whether Government is intending to start production of small tractors in the public sector keeping in view the slow progress which these people in the private sector have shown in the production of these tractors?

Shri C. Subramaniam: The Punjab Government have come forward with a proposal to produce tractors in the public sector there. We are considering that proposal.

श्री गुलशन : पंजाब के मुख्य मंत्री ने कई बार पंजाब में अनाज की उपज के बारे में कहा कि उसको दुगुना किया जायेगा। मैं जानना चाहूंगा कि क्या उनकी भी छोटे ट्रैक्टरों के कारखानों के लिये कोई दरखास्त सरकार के पास आई है ताकि किसानों को वह सस्ता मिले।

श्री प्र० चं० सेठी : जी हां, जैसा माननीय मंत्री जी ने बतलाया, पंजाब सरकार की ओर से मांग आई है।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं जानना चाहता हूँ कि जो इस प्रकार के ट्रैक्टर बाहर से मंगाये जाते हैं उनकी अपेक्षा भारतीय शिल्पकारों द्वारा तैयार किये गये छोटे ट्रैक्टरों के सद्गुण जो होते हैं जो कि दो बैलों के पीछे जोड़े जाते हैं, जिनमें पांच फूल निकलते हैं और जो दो हल एक ट्रैक्टर के बराबर जमीन वाह देते हैं, उनको प्रोत्साहन देने का सरकार का कोई विचार है।

श्री प्र० चं० सेठी : यह स्माल स्केल इम्प्लिमेंट्स से सम्बन्धित प्रश्न नहीं है, यह ट्रैक्टरों से सम्बन्धित सवाल है।